स्वतंत्रता आंदोलन में संस्कृत कवियों का योगदान : डॉ0 तिवारी

खास बात

संस्कृत और संस्कृति भारत की हैं दो प्रतिष्ठाएं : प्रो0 तुलसी देवी

पं0 देवेश शर्मा

अमरोहा (आर्यावर्त केसरी)। रविवार को संस्कृत विभाग जेएस हिंदू पीजी कॉलेज अमरोहा एवं वैश्विक संस्कृत मंच उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग पन्द्रह प्रदेशों के सौ से अधिक विद्वानों ने भाग लिया।

संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत सप्ताह महोत्सव-2024 का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विद्यार्थियों के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इसी क्रम में प्राचार्य प्रोफेसर वीर वीरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृत की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत वैदिक मंगलाचरण एवं राष्ट्रीय प्रार्थना के साथ किया गया।

बतौर मुख्य वक्ता आदर्श वैदिक विद्यालय, नगला सिनौली, बागपत के संस्कृत प्रवक्ता एवं विख्यात संस्कृत कवि डॉ0 अरविंद कुमार तिवारी ने ह्यअवार्चीन संस्कृत साहित्य में राष्ट्रचेतनाह्न विषय पर अपना वैदुष्यपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि 1857 से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति तक संस्कृत के अनेक विद्वानों एवं कवियों ने स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। अरविंद घोष सदृश क्रांतिकारियों ने जेल की यातनाएं सहते हुए भवानीभारती जैसे उत्कृष्ट काव्य की रचना की। वासुदेव द्विवेदी, पंडिता क्षमाराव, अप्पा शास्त्रि राशिवडेकर, रामनाथप्रणयी, अम्बिकादत्तव्यास आदि अनेक संस्कृत कवियों ने स्वतंत्रता आंदोलन में उल्लेखनीय योगदान दिया। अनेक कवियों ने अन्योक्तिपरक, क्रान्तिकारियों की जीवनीपरक तथा नाटक आदि लिखकर ब्रिटिश सरकार को चुनौती दी।

मुख्य वक्ता डॉ0 तिवारी ने अनेक कविताओं एवं श्लोकों के उद्धरण देते हुए संस्कृत के विद्वान कवियों के स्वतंत्रता आंदोलन में अवदान को रेखांकित किया तथा इस विषय विस्तृत शोध की आवश्यकता जतायी।

हिंदी विभाग की अध्यक्षा प्रोफेसर बीना रूस्तगी ने द्विवेदीयुगीन हिंदी कवियों की रचनाओं का उल्लेख करते हुए स्वाधीनता आंदोलन में उनके अवदान पर चर्चा की। संस्कृत के साथ हिन्दी काव्य की एकरूपता दशातें हुए उन्होंने संस्कृत विभाग के प्रयासों तथा डॉ0 अरविन्द तिवारी के वक्तव्य की सराहना की।

वैश्विक संस्कृत मंच उत्तर प्रदेश की अध्यक्षा प्रोफेसर तुलसी देवी ने कहा कि संस्कृत और संस्कृति भारत की दो प्रतिष्ठाएं हैं। एक भारत और श्रेष्ठ भारत बनाने के लिए हमें संस्कृत की ओर लौटना होगा। इस अवसर पर वैश्विक संस्कृत मंच के राष्ट्रीय सचिव डॉ0 राजेश कुमार मिश्र ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। वैदिक शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए संस्कृत विभाग के प्रभारी डॉ0 अरविंद कुमार ने बताया कि जेएस हिन्दू कॉलेज अमरोहा के संस्कृत विभाग द्वारा प्रतिवर्ष संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें विद्यार्थियों की भाषण, गीत, श्लोकोच्चारण एवं श्लोक अन्त्याक्षरी आदि प्रतियोगितायें तथा आमन्त्रित विद्वानों के व्याख्यान व संगोष्ठी आदि आयोजित की जाती हैं।

इस दौरान महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर नवनीत बिश्नोई, राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ0 सविता एवं डॉ0 पीयूष कुमार शर्मा, राजकिशोर शुक्ला, नीरज त्यागी, डॉ0 एनपी मौर्य, डॉ0 राजनलाल, डॉ0 शिवमगन, शिवानी गोयल, विकास मोहन श्रीवास्तव, विजय यादव आदि प्राध्यापक तथा संस्कृत के शोधछात्र एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों समेत वैश्विक संस्कृत मंच के 15 प्रदेशों के संस्कृत विद्वान मौजूद रहे।

संस्कृत के जरिए आसानी से जानें विज्ञान के रहस्य : प्रो. वीर वीरेंद्र

जेएस हिंदू डिग्री कालेज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते प्राचार्य वीर वीरेंद्र सिंह • जागरण

जागरण संवाददाता, अमरोहा: संस्कृत सप्ताह महोत्सव के तहत जेएस हिंदू डिग्री कालेज में संस्कृत अध्ययन की स्थिति एवं भविष्य (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में) विषय पर गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें संस्कृत विषय को लेकर वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए।

गोष्ठी में विचार व्यक्त करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वीर वीरेंद्र सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति के प्रावधानों से संस्कृत अध्ययन की स्थिति में सुधार की अनेक संभावनाएं हैं। विद्यार्थियों को संस्कृत में निहित ज्ञान विज्ञान के गूढ रहस्यों को सीखने के लिए इस भाषा को अवश्य पढ़ाना चाहिए। सनातन धर्म संस्कृत माध्यमिक विद्यालय के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डा. कृष्ण अवतार शर्मा ने बताया कि संस्कृत विशाल शब्द राशि का अगाध भंडार है। जिसके माध्यम से अनेक अर्थों को एक शब्द के माध्यम से तथा एक अर्थ को अनेक शब्दों के माध्यम से आसानी से व्यक्त किया जा सकता है।

दयानंद आर्य कन्या डिग्री कालेज मुरादाबाद की असिस्टेंट प्रोफेसर अंजलि उपाध्याय ने आधुनिक संस्कृत कविता पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के चीफ प्राक्टर डा. नवनीत बिश्नोई, शिक्षक संघ के अध्यक्ष राज किशोर शुक्ला, डा. अरविंद कुमार, डा. रश्मि उपाध्याय, डा.आभा सिंह, विकास मोहन श्रीवास्तव, अमित भटनागर, डा. जितेंद्र कुमार, डा.राजीव कुमार, डा. अनुराग कुमार पांडेय, शिवमगन सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजन के नोडल अधिकारी डा. पीयूष कुमार शर्मा, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक विद्यार्थी, संस्कृत के अध्ययनरत छात्राओं समेत प्रतिभागियों के अभिभावक व शिक्षक मौजूद रहे।

दो पक्षों में मारपीट की सूचना पर